

राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापुर

बी.ए. भाग 1 (सत्र 1) हिंदी

पेपर का नाम - सृजनात्मक लेखन

महत्वपूर्ण प्रश्न

-
- 1) कारकों को व्याकरण में कहते हैं ।
क) संज्ञा ख) सर्वनाम ग) विभक्तिया घ) विश्लेषण
 - 2) हिंदी में वचन का विकास से हुआ है ।
क) संस्कृत ख) प्राकृत ग) अपभ्रंश घ) अंग्रेजी
 - 3) हिंदी में रिपोर्टाज विधा प्रारंभ करने का श्रेय पत्रिका को है ।
क) हंस ख) विद्यावार्ता ग) मधुमती घ) विशाखा
 - 4) बहुवचन का क्षेत्र बड़ा होता है ।
क) अलग ख) व्यापक ग) सीमित घ) गौण
 - 5) अंग्रेजी में साहित्य के लिए प्रचलित 'Literature' शब्दधातु से बना है ।
क)अक्षर ख)शब्द ग) लेटर घ) लीटूआ
 - 6) आचार्य विश्वनाथ रसयुक्त को काव्य मानते हैं ।
क) शब्द ख) वाक्य ग) पद घ) ध्वनि
 - 7) कठिन मार्गों को तय करने के बाद नए स्थानों पर पहुंचकर हृदय में पैदा होता है ।
क) भावोद्रेक ख) विद्रोह ग) बवाल घ) बवंडर
 - 8) लिंग के प्रकार होते हैं ।
क) एक ख) तीन ग) दो घ) पांच
 - 9) ' सबसे उत्तम कहानी वह होती है; जो किसी मनोवैज्ञानिक सत्य पर आधारित हो ।
क) मुंशी प्रेमचंद ख) जैनेन्द्र ग) अज्ञेय घ) इलाचंद जोशी
 - 10) भाषा का विकास कठिन से की ओर होता है ।
क) बृहत ख) विशेष ग) विकास घ) सरल
 - 11) कवि हृदय में का प्रबल आवेग ही कविता निर्मित का प्रधान कारण है ।
क) भावना ख) कल्पना ग) प्रतिभा घ) बुद्धि
 - 12) लिखने की रीति को कहा जाता है ।
क) शब्द या वाक्य ख) वर्ण या शब्द ग) वर्तनी या अक्षरी घ) ध्वनि या उच्चारण
 - 13) रिपोर्टाज परिस्थितियों पर आधारित होता है ।

- क) यथार्थ ख) वास्तविक ग) भौगोलिक घ) ऐतिहासिक
- 14) हिंदी में पूर्ण विराम के लिएका प्रयोग किया जाता है ।
क) अल्पविराम ख) अर्द्धविराम ग) **खड़ी पाई** घ) बिंदु
- 15) हिंदी भाषा की प्रकृति है ।
क) अलंकारिक ख) आनंदात्मक ग) विवरणात्मक घ) **विश्लेषणात्मक**
- 16) मनुष्य के विचार - विनिमय का प्रमुख साधन है ।
क) लिपि ख) ध्वनि ग) **भाषा** घ) शब्द
- 17) मालुम हो की साक्षात्कार विधा है ।
क) द्विपक्षीय ख) **त्रिपक्षीय** ग) प्रथमपक्षीय घ) तृतीयपक्षीय
- 18) बिना वचन केआदि का बोध नहीं होता है ।
क) शब्द **ख) संख्या** ग) सर्वनाम घ) नाम
- 19) पत्रकारिता जगत की एक अद्भुत नूतन शैली है ।
क) साक्षात्कार ख) **रिपोर्टाज** ग) साहित्य घ) आत्मकथा
- 20) वचन एक..... कोटि (तत्व) है ।
क) व्यावसायिक ख) चिह्न शाब्दिक ग) **व्याकरणिक** घ) व्यावहारिक
- 21) रिपोर्टाज विधा पर सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन ने किया है ।
क) **शिवदानसिंह चौहान** ख) रांगेय राघव ग) सुदामा पांडे घ) भगीरथ मिश्र
- 22) संबंधकारक का विभक्ति चिह्न होता है ।
क) **का, की, के** ख) ने, को, से ग) में, पर घ) से
- 23) अपूर्ण विराम से भी कम ठहराव का संकेत से होता है ।
क) पूर्ण विराम ख) उपविराम ग) अल्पविराम घ) **अर्द्ध विराम**
- 24) कारक शब्द का अभिप्राय से संबंध बतानेवाला तत्व है ।
क) संज्ञा ख) विभक्ति ग) वचन घ) **क्रिया**
- 25) प्राणीवाचक संज्ञा में लिंग के आधार पर लिंग निर्धारण किया जाता है ।
क) व्यावहारी ख) व्याकरणिक ग) **प्राकृतिक** घ) लौकिक
- 26) शब्दों के लिंग बहुत कुछ माने हुए होते हैं ।
क) प्राणीवाचक ख) पुरुषवाचक ग) **अप्राणीवाचक** घ) स्त्रीवाचक
- 27) संबोधन कारक के साथ आगे या पीछे बहुधा चिह्न आता है ।
क) प्रश्नार्थक **ख) विस्मयादिबोधक** ग) निर्देशक घ) योजक
- 28) प्रश्नावली तैयार करते समय..... को सजग रहना अति जरूरी है ।

- क) साक्षात्कारकर्ता ख) साक्षात्कारदाता ग) दर्शक घ) श्रोता
- 29) भाषा की न्यूनतम पूर्ण सार्थक इकाई है ।
क) पद ख) वाक्य ग) ध्वनि घ) शब्द
- 30) अखबार, पत्रिकाओं के साक्षात्कार हेतु भी का उपयोग किया जाता है ।
क) टेपरिकार्डर ख) समाचार ग) समाचार पत्र घ) दूरदर्शन
- 31) अपूर्ण विराम से भी कम ठहराव का संकेत से होता है।
क) पूर्णविराम ख) उपविराम ग) अल्पविराम घ) अर्धविराम
- 32) अर्थ बोध के स्तर पर भाषा की मूल इकाई..... होती है ।
क) वाक्य ख) अर्थ ग) प्रश्न घ) शब्द
- 33) उद्धरण चिह्न के रूप होते हैं
क) दो ख) चार ग) सात घ) तीन
- 34) कर्म कारक का विभक्ति प्रत्यय है ।
क) ने ख) को ग) से घ) में
- 35) रिपोर्टाज से संबंधित विधा है ।
क) साहित्य ख) राजनीति ग) चित्रकला घ) पत्रकारिता
- 36) लिंग व्यवस्था में दिखाई देती है ।
क) सुचारुता ख) नियमितता ग) एकरूपता घ) अनियमितता
- 37) संज्ञा के जिस रूप से दो वस्तुओं का या व्यक्तियों का संबंध स्पष्ट होता है उसे कारक कहते हैं ।
क) अपादान ख) कर्ता ग) कर्म घ) संबंध
- 38) वाक्य या वाक्यांश में जहाँ थोड़े समय के लिए रुका जाए वहाँ परचिह्न का प्रयोग होता है ।
क) तुलनात्मक ख) समाप्तिसूचक ग) प्रश्न चिह्न घ) अल्पविराम
- 39) लौकिक लिंग है ।
क) एक ख) दो ग) चार घ) तीन
- 40) दूरदर्शन के साक्षात्कार का दुवा भी होता है कैमेरामन ।
क) प्रथम ख) द्वितीय ग) तृतीय घ) चतुर्थ

प्रा. नीता साठे
हिंदी विभाग,
राजर्षि छत्रपति शाहू कॉलेज, कोल्हापुर